जीवन परिचय : आई.सी.-76429एच मेजर (स्वर्गीय) अनुज सुद

1. मेजर (स्वर्गीय) अनुज सुद का जन्म 17 दिसंबर 1989 को कर्नाटक के बैंगलुरु में हुआ । वे सेना में दूसरी पीढ़ी के अधिकारी थे । इनके पिता ब्रिगेडियर सी के सुद (सेवानिवृत) सेना के अधिकारी थे एवं माता स्वर्गीय रागीनी सुद कुशल गृहणी थी। इनका पालन-पोषण आर्मी माहौल में होने एवं अपने पिता से मिले संस्कारों की वजह से इन्होंने आर्मी में सेवा करने का निर्णय किया । मातृभूमि की सेवा करने हेतु इन्होंने प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस अकादमी खडगवासला में मई 2018 में प्रवेश लिया और 09 जून 2012 को भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से कमीशन प्राप्त किया ।

2. कमीशन के बाद वो ब्रिगेड ऑफ द गार्डस की 19 वीं बटालियन में शामिल हुए । उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान रेजीमेंट में दी गई मुख्य नियुक्तियों में दंडपाल और प्लाटून कमांडर रहे। इनकी कौशल और बुद्धिमता के कारण उनका चयन 14 रैपिड के जनरल कमान अधिकारी के ए डी सी के रूप में हुआ जहाँ उन्होने कुशलता से अपनी जिम्मेदारियों का निवेहन किया । मेजर (स्वर्गीय) अनुज सुद ने अपने सभी पेशेवर पाठ्यक्रमो में उच्च क्रमस्थान पाया ।

3. वे दिनाँक 04 मार्च 2018 को प्रतिष्ठित 21वीं राष्ट्रीय राइफल (गार्डस) में कंपनी कमांडर के रूप में पद्सथापित हुए । उन्होंने बहुत कम समय में अपनी प्रमाणिकता स्थापित की और संगठन के प्रति अपनी अविचल वफादारी का प्रमाण दिया और अपनी कम्पनी को प्रेरित किया। इन्होने अथक प्रयासो और प्रभावी खुफिया नेटवर्क के कारण अपने जिम्मेवारी के इलाके में अप्रैल 2019 में घटना मुक्त लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराया ।

4. दिनाँक 02 मई 2020 को मेजर (स्वर्गीय) अनुज सुद ने ऑपरेशन "चेंजीमुला" में अपनी कम्पनी का नेतृत्व कर रहे थे । ऑपरेशन के दौरान अपनी कम्बेट एक्शन टीम के साथ संदिगध घर की घेराबंदी की । संदिगध घर में आतंकियों द्वारा बनाये गए बंधको को बाहर निकालने के लिए अपनी सुरक्षा का ख्याल न करते हुए मेजर (स्वर्गीय) अनुज सुद अपने कमान अधिकारी और तीन अन्य रैंक के साथ घर के अंदर घुसे । आतंकवादियों से गोलाबारी के दौरान उन्होने अदम्य पराक्रम, शूरता और वीरता का प्रदर्शन दिखाते हुए एक खूंखार आतंकवादी को करीब की लड़ाई में घायल कर दिया ।

शौर्य चक्र

आईसी–76429एच मेजर अनुज सुद, ब्रिगेड ऑफ दी गार्डस 21वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

मेजर अनुज सुद, जम्मू व कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में 21वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल में कंपनी कमांडर के तौर आपरेट कर रहे थे।

01 मई, 2020 को वत्सर जंगल में दो आतंकियों की सूचना मिलने पर उ रोकने के लिए उन्होंने अभियान की शुरुआत की। आतंकवादियों का पता चलने प अधिकारी ने उनको चेतावनी दी लेकिन आतंकवादियों ने पलट कर अंधाधुंध हमला कर दिया और बच निकले। अधिकारी ने अपनी गोलीबारी को रोका और दोनों ओर की गोलीबारी में फंसे नागरिकों की जान बचाई।

02 मई 2020 को चंजीमुला में आतंकवादियों के होने का दोबारा पता चला और अफसर ने संदिग्ध घर के नजदीक घेरे में खुद को तैनात किया। शानदार वीरता दिखाते हुए वे कमांडिंग अफसर और तीन अन्य साथियों के साथ बंधक नागरिकों को बाहर निकालने के लिए लक्षित भवन के भीतर घुसे। अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अधिकारी लगातार गोली चलाता रहा और कट्टर आतंकियों को मार गिराया जिससे तीन बंधक नागरिकों को बाहर निकाला जा सका। दो बंधक नागरिकों को छुड़ाने के प्रयास मे उन्होंने शारीरिक रूप से हमला कर दिया और एक स्थानीय आतंकी को घायल कर दिया, इस प्रकार दो बंधकों की जान बचाई जा सकी। अपने वीरतापूर्ण कार्य के दौरान अधिकारी को शरीर में कई गोलियां लगी और वे शहीद हो गए।

मेजर अनुज सुद ने विशिष्ट वीरता और असाधारण साहस का परिचय दिया और राष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।